रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 27 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 241 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

मप्र की जैविक विविधताओं का हो वैश्विक प्रचार

● मुख्यमंत्री बोले-प्रदेश में पाये जाने वाले थलीय एवं जलीय जीवों की विशिष्टताओं को करें एक्सप्लोर

सीएम ने कहा-अन्य राज्यों के वन्य जीव लाकर प्रदेश की जैव विविधता को करें और भी ज्यादा समृद्ध

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पाई जाने वाली फ्लोरल एंड फौनल डायवर्सिटी (वानस्पतिक एवं जैविक विविधताओं) के बारे में प्रापर ब्रांडिंग की जाए। प्रदेश के समृद्ध वन क्षेत्रों एवं यहां के वनों में वन्य जीवों की सहज दृश्यता का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाये। इसके लिए भारतीय फिल्म डिवीजन, डिस्कवरी और अन्य चैनल्स के साथ मिलकर शॉट फिल्म्स, डाक्यूमेंटरी फिल्म, प्रमोशनल्स कैपसूल्स तैयार कर मध्यप्रदेश की वन विशिष्टताओं के बारे में पूरे विश्व को बतायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी अच्छाईयां दुनिया के सामने आनी ही चाहिए। दूसरे राज्यों को प्रदेश में उपलब्ध वन्य प्राणी अवश्य दें, परन्तु उनसे भी उनके यहां उपलब्ध वन्य प्राणी प्राप्त कर प्रदेश की वन विविधताओं को और अधिक समृद्ध करें। उन्होंने कहा कि आसाम से गेंडा या एक सींग वाला गेंडा प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की नदियों में मगरमच्छ, कछुआ और घड़ियाल सहित डॉल्फिन जैसे जलीय जीव मुक्त करने के लिए तैयारी करें। मुख्यमंत्री

डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की 30वीं बैठक की अध्यक्षता कर संबोधित कर रहे थे। बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार एवं बोर्ड के सदस्य डॉ. नारायण व्यास वर्चुअली शामिल हुए। मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वीएन अम्बाडे, वन्य प्राणी बोर्ड के सदस्य मोहन नागर, रूपनारायण मांडवे, महेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. सुदेश बाघमारे, डॉ. रविचंद्रन सहित अन्य सदस्यगण भी उपस्थित थे। बैठक में तीन राज्यों उड़ीसा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को तीन जोड़े टाइगर देने पर गहन विचार विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन राज्यों को टाइगर दिए जा रहे हैं, उनसे उस राज्य में पाए जाने वाले वन्य जीव भी प्राप्त किए जाएं। बैठक में बोर्ड के सदस्य डॉ. आलोक कुमार ने कहा कि प्रदेश में पन्ना एवं बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र में एक और कन्जर्वेशन रिजर्व बनाया जा सकता है।

कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी। इसमें खण्डवा एवं बैतूल जिले में सतपुड़ा-मेलघाट कॉरीडोर में 17.148 हेक्टेयर वन भूमि एनएचएआई खण्डवा को उपयोग के लिए मंजूरी दी गई। सिंघोरी अभयारण्य के अंतर्गत ग्राम देहगांव-बम्होरी मार्ग के बेलगांव तक सीसी रोड निर्माण के लिए 0.85 हेक्टेयर अभयारण्य वन भूमि ईई आरईएस रायसेन को उपयोग के लिए दी गई। पदमश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर टाइगर रिजर्व (रातापानी अभयारण्य) के बफर जोन की 1.575 हेक्टेयर भूमि ईई पीडब्ल्यूडी रायसेन को उपयोग के लिए दी गई। इसी प्रकार अन्य प्रस्तावों में भी वन भूमि क्षेत्र में निर्माण कार्यों एवं अन्य प्रकार के उपयोग की अनुमतियां दी गई।

बोर्ड की विशेष उपलब्धियां

बैठक में श्री कृष्णमूर्ति ने मप्रराज्य वन्य प्राणी बोर्ड की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि खरमोर अभयारण्य सरदारपुर का पुनर्गठन किया गया है। इससे क्षेत्र के 14 राजस्व गांवों के लोगों को उनकी भूमि क्रय-विक्रय की समस्या का स्थायी समाधान हो गया है। उन्होंने बताया कि भोपाल में 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया गया। प्रदेश में 14 रेस्क्यू स्क्वॉड एवं 16 डॉग स्कवॉड और गौर बारहसिंगा आदि के परिवहन के लिए 6 विशेष वन्यजीव परिवहन एवं 3 रेस्क्यू वाहन सहित डॉग स्क्वॉड वाहन लोकार्पित किए गए हैं। जहांनगढ़ अभयारण्य का गठन किया गया। यह प्रदेश का 26वां अभयारण्य है। इस वर्ष भोपाल में हुए बाघ दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बाघ राखी बांधकर बाघ रक्षाबंधन की शुरुआत की गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी की भावना के अनुरूप 23 टाईगर रिजर्व में लोहे के स्क्रैप मटेरियल से एक विशालकाय बाघ प्रतिमा का निर्माण किया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य में इस वर्ष अब तक नदिगांव में 86 घोंसले, बरौली में 32, बाबू सिंह घेर में 20, डांग वसई में 16, रैड़ी में 7 और भरा में 5 घौंसलों से बच्चे निकल चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश, टाइगर स्ट्राइक फोर्स, शिवपुरी एवं सामान्य वनमंडल, श्योपुर की संयुक्त कार्यवाही में श्योपुर जिले में वन्य प्राणी बाघ और तेन्दुए के अवैध शिकार एवं उसके अवयवों यानि हड्डियां/कंकाल का अवैध परिवहन एवं व्यापार करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह पर कार्यवाही करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

बिहार की 75 लाख महिलाओं को मिले 10-10 हजार रुपए

● पीएम ने की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत

राज्य की 22 फीसदी महिला वोटर्स को मिला बड़ा फायदा

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में वर्चुअली 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत की। शुक्रवार को 75 लाख महिलाओं के खातों में प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन 10-10 हजार की राशि ट्रांसफर की। 2020 के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में महिला वोटर्स की संख्या करीब 3.39 करोड़ है। इसके अनुसार करीब 22 फीसदी महिला वोटर्स को आज शुरू हुई योजना का फायदा मिलेगा। जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा, अगर देश ने जन-धन योजना के तहत 30 करोड़ से ज्यादा माताओं-बहनों के खाते न खुलवाए होते तो

क्या आज इतने पैसे हम सीधे आपके खाते में भेज पाते। आज जो पैसे भेजे जा रहे हैं, वो पूरे आपके खाते में जमा होंगे। कोई एक पैसा नहीं मार सकता है। पहले योजना का पैसा आप तक पहुंचने से पहले लूट जाता था। एक भाई तब ही खुश होता है, जब उसकी बहन स्वस्थ हो, परिवार खुश हो। आज आपके दो भाई नरेंद्र और नीतिश मिलकर बहनों के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

● **पीएम बोले-बिहार में नीतिश के नेतृत्व में कानून का राज-** पीएम ने कहा, आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में फोर्स-पुलिस में आ रही हैं। आज हमारी बेटियां लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। हमें वो दिन भी नहीं भूलने हैं, जब बिहार में राजद की सरकार थी। अराजक की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं ने ही झेली है।

तेज ने लांच की नई पार्टी, पिता लालू को किया दरकिनार

● बिहार में होगा खेला, निर्वाचन आयोग ने दिया चुनाव चिन्ह

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री रहे लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी का ऐलान कर दिया है। उनकी नई पार्टी का नाम 'जनशक्ति जनता दल' है। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग ने पार्टी का चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिया है। आयोग ने तेज प्रताप की पार्टी को 'ब्लैक बोर्ड' चुनाव चिन्ह अलाट किया है। इस पूरी घटना में सबसे बड़ी बात ये है कि तेज प्रताप ने अपने पिता लालू यादव को ही पोस्टर से गायब कर दिया है। यानी लालू को पोस्टर पर जगह नहीं मिली है। तेज प्रताप की नई पार्टी जनशक्ति जनता दल के पोस्टर पर महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर, डॉ राम मनोहर लोहिया, लोकनायक जयप्रकाश नारायण और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर को स्थान मिला है। हालांकि राजद से बाहर निकलने के बाद तेज प्रताप कई बार अपने पिता लालू यादव और मां राबड़ी देवी के प्रति सम्मान की बात कर चुके हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों को दो दिन ट्रेनिंग देंगे राहुल गांधी

● पचमढ़ी में होगा प्रशिक्षण, नवरात्रि-दशहरे के चलते एक महीने बढ़ी तारीख

भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के सभी 71 जिला अध्यक्षों को 10 दिनों तक ट्रेनिंग दी जाएगा। सभी जिला अध्यक्षों को हिल स्टेशन पचमढ़ी में आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले यह ट्रेनिंग 2 से 12 अक्टूबर तक होनी थी लेकिन, नवरात्रि की अष्टमी, नवमी, दशहरा और दीवाली जैसे त्योहार करीब होने के चलते कई नेताओं ने तारीख आगे बढ़ाने का सुझाव दिया। इसके चलते कांग्रेस जिला अध्यक्षों की ट्रेनिंग एक महीने बढ़ाई गई है। अब यह प्रशिक्षण 2 नवंबर से 12 नवंबर के बीच होगा। खास बात यह है कि दस दिन के इस ट्रेनिंग कैम्प में दो दिन राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। संभावित कार्यक्रम के मुताबिक, खरगे इस शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में जयराम रमेश, पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के नेशनल हेड सचिन राव आदि शामिल होंगे।

इंदौर पुलिस की शक्ति मोबाइल की त्वरित कार्यवाही....

गरबा पंडालों से गुम हुई 02 मासूम बालिकाओं को, शक्ति मोबाइल की टीम ने सकुशल उनके परिजनों से मिलाया

गरबा पंडालों में भीड़ के दौरान, मासूम बालिकाएं परिजनों से हो गई थी दूर

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर- शहर में महिला संबंधी अपराधो पर नियंत्रण तथा नवरात्री पर्व के दौरान गरबा पंडालों व विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में महिलाओ की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए भक्ति स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस आयुक्त इंदौर नगरीय श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा शहर के सभी थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस बल सहित 13 शक्ति मोबाइल संचालित की जा रही है। जो नवरात्री पर्व के दौरान प्रतिदिन गरबा पांडाल आदि विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आसपास लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं। इसी तारतम्य में शक्ति मोबाइल PCR द्वारा तत्परता एवं संवदेनशीलता के साथ कार्यवाही करते हुए, 02 मासूम बालिकाओं को ढूंढकर उनके परिजनों से मिलाकर, उनके चेहरे की मुस्कान लौटाई है। पुलिस थाना राजेंद्र नगर क्षेत्रांतर्गत संचालित शक्ति मोबाइल PCR 3 को पेट्रोलिंग के दौरान क्षेत्र के गरबा पंडाल पर से एक छोटी बालिका के गुम होने की सूचना मिलीं। जिस पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए नाबालिक बालिका को ढूंढकर, तस्दीक उपरांत सकुशल उसकी मां के सुपुर्द किया गया।

इसी प्रकार थाना परदेशीपुरा एवं थाना एमआईजी क्षेत्र में स्थित शक्ति मोबाइल PCR 4 को भ्रमण के दौरान रोबोट चौराहे पर एक 4 साल की बालिका रोती हुई मिली। जिसे अपने साथ लेकर पता करने पर उसने गरबा पंडाल से अपनी मां से बिछड़ना बताया। जिसे पुलिस टीम ने चुप कराकर, ढांढस बंधाया। पुलिस टीम ने बालिका के परिजनों बारे में पता कर नाबालिक बालिका को सकुशल उसकी मां के सुपुर्द किया गया। ऐसी भीड़ में गुम अपने मासूम बच्चों को पाकर, उनकी मां के आंसू छलक उठे, और उन्होंने त्वरित कार्यवाही के लिए पुलिस टीम को धन्यवाद दिया गया।

सर्वेश्वर महादेव गरबा मंडल द्वारा सम्मान समारोह एवं प्रसाद वितरण

राजेश धाकड़

इंदौर। पंचवटी कॉलोनी में सर्वेश्वर महादेव गरबा मंडल के तत्वावधान में एक भव्य सम्मान समारोह एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान श्रीराम के परम भक्त एवं भाजपा नेता श्री कैलाश चौहान द्वारा पंचवटी कॉलोनी का पूर्ण विकास कराया गया है। उनका एकमात्र लक्ष्य कॉलोनी का समुचित विकास है, जिसके लिए वे निरंतर प्रयासरत रहते हैं। इसी प्रकार श्री जयदीप पटेल एवं श्रीमती सुषमा पटेल (पटेल दंपत्ति) अब तक 3083 सांप पकड़कर कॉलोनीवासियों की सेवा कर चुके हैं। यह दंपत्ति हर समय सेवा भाव से तत्पर रहता है। वहीं पंडित दीपेश शर्मा एवं उनकी टीम, सर्वेश्वर महादेव मंदिर समिति के माध्यम से गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी एवं नवरात्रि जैसे पर्वों का भव्य आयोजन करती है, जिससे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण और भी सशक्त बनता है।

इन सभी सेवाभावी कार्यों को ध्यान में रखते हुए गली नंबर 6 के निलेश पाराशर, पुष्पेंद्र तिवारी, संतोष मेहता, प्रद्युम्न जैन, अशोक गुप्ता एवं दीपक शर्मा ने संयुक्त रूप से श्री कैलाश चौहान, पटेल दंपत्ति, पंडित दीपेश शर्मा तथा सर्वेश्वर महादेव समिति के सदस्यों का सम्मान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमूह को खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया।

महिला महाविद्यालय में छात्रा संगोष्ठी आयोजित

महिला महाविद्यालय किदवई नगर कानपुर में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह के अंतर्गत छात्रा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय हिंदी विश्व भाषा की ओर कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रो अंजू चौधरी ने माँ शारदे की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन द्वारा किया।

छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्या ने कहा कि हिंदी सिर्फ हमारी भाषा ही नहीं अपितु भारतीय संस्कृति की आधार स्तंभ भी है और आज हिंदी भाषा संपूर्ण विश्व में भारतीय गौरव का प्रतीक बन रही है। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो रश्मि चतुर्वेदी ने बताया कि हिंदी का विश्व के विभिन्न देशों में तेजी से प्रचार प्रसार हो रहा है तथा भविष्य में हिंदी भाषा के क्षेत्र में युवाओं के लिए अनेक अवसर सृजित होंगे। हिंदी विभाग की प्रवक्ता प्रो ज्योति किरण ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी में प्रचुर ज्ञान संपदा संचित है। जिससे देश ही नहीं विदेश में भी इसके प्रति आकर्षण बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में लोग इसे सीख रहे हैं। संगोष्ठी में छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और अपने विचार रखे जिनमें अन्जलि बाजपेयी श्रेया कसौधन सायमा अंजुम सुहानी गुप्ता वंशिका आदि की प्रस्तुति विशेष सराहनीय रही। छात्राओं ने बताया कि विश्व के 150 से अधिक देशों में हिंदी का शिक्षण किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया और इंटरनेट में हिंदी का तेजी से बढ़ता प्रयोग इस बात का प्रमाण है कि हिंदी विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर है। संगोष्ठी को सफल बनाने में निर्णायक मंडल प्रो० ज्योति किरण डॉ अंजू श्रीवास्तव डॉ सबा यूनुस की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम का मंच संचालन हिंदी विभाग की शोध छात्रा हिमांशी ने किया। अंत में हिंदी पखवाड़ा समारोह के अंतर्गत आयोजित की गयी विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की लगभग 125 छात्राओं ने सहभागिता की तथा महाविद्यालय की सभी प्रवक्ताएँ भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के आयोजन में हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रो० रश्मि चतुर्वेदी, प्रो० ज्योति किरण, डॉ० रेनू श्रीवास्तव तथा शोध छात्रा हिमांशी यादव का सक्रिय सहयोग रहा।छात्रा संगोष्ठी के परिणाम इस प्रकार रहे- प्रथम स्थान सुहानी गुप्ता, द्वितीय स्थान खुशी, तृतीय स्थान युसरा नसीम सांत्वना स्वेच्छा सिंह, अनामिका शुक्ला। हिंदी विभाग द्वारा कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति तथा सर्वश्रेष्ठ छात्रा पुरस्कार से भी 10 छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

रणजीत टाइम्स

युवती को स्कूटी से टक्कर मारने वाला आरोपी, पुलिस थाना हीरानगर द्वारा गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों व्दारा अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशो के तारतम्य में पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री राजेश व्यास एवं अति० पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री रामस्नेही मिश्रा के मार्गदर्शन मे सहायक पुलिस आयुक्त हीरानगर श्रीमती रुबिना मिजवानी द्वारा दिए निर्देशों के तारतम्य में हीरानगर पुलिस द्वारा युवती को गाड़ी से टक्कर मारने की घटना करने वाले आरोपी को अपराध पंजीबद्ध के 24 घण्टे के अंदर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस थाना हीरानगर पर दिनांक 24/09/2025 को फरियादिया द्वारा सूचना दी गई कि हीरानगर क्षेत्र के एक बदमाश द्वारा उसके साथ रहने हेतु फरियादिया पर दबाव बनाया जा रहा है, जिस पर फरियादिया द्वारा उसके साथ रहने से मना करने पर बदमाश द्वारा चलते रास्ते पर स्कूटी से टक्कर मारकर घायल कर फरार हो गया है। उक्त सूचना पर थाना हीरानगर पर अपराध पंजीबद्ध कर तुरंत आरोपी की तलाश में टीम रवाना किया गया।

पुलिस टीम को कार्यवाही के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी पुलिस से बचने के लिए भानगढ के पास छिपा है, जिस पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर आरोपी राजेंद्र चौरसिया नि. सुखलिया को विधिवत गिरफ्तार किया गया है, जिसके विरुद्ध विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक श्री सुशील पटेल, उनि अंजू बक्षी, प्रआर घनश्याम सिंह, प्रआर. शैलेंद्र मीणा, आर. अनिल, आर राघवेंद्र, आर विश्वरतन, की सराहनीय भूमिका रही ।

लसूडिया थाना क्षेत्र में कन्या भोज का आयोजन, टीआई तारेश कुमार सोनी को रणजीत टाइम्स ने किया सम्मानित

इंदौर। नवरात्रि के पावन पर्व पर संकल्प सुरक्षा अभियान एवं पुलिस विभाग के सृजन अभियान के तहत लसूडिया थाना क्षेत्र में कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस आयोजन

का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में सुरक्षा का भाव जागृत करना, समाज में पुलिस के प्रति विश्वास और नेतृत्व की भावना स्थापित करना तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना रहा।

आयोजन में लसूडिया थाना प्रभारी टीआई तारेश कुमार सोनी ने बालिकाओं को भोजन कराकर संदेश दिया कि बेटियां केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश की धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग बेटियों की सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए हर समय संकल्पित है। इस अवसर पर रणजीत टाइम्स न्यूज़ चैनल की ओर से माँ अहिल्या देवी की प्रतिमा भेंट कर टीआई तारेश कुमार सोनी का सम्मान किया गया। क्षेत्रीय नागरिकों ने पुलिस की इस पहल को सराहते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज और पुलिस के बीच विश्वास को और मजबूत बनाते हैं।

श्रध्दांजली

हम सब गहरे दुःख के साथ यह सूचित करते हैं कि पूज्य पिता तुल्य, प्रातः स्मरणीय डॉ. रमेशचन्द्र जाटवा जी (पूर्व अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा – उज्जैन संभाग एवं इंदौर संभाग, उज्जैन) अब हमारे बीच नहीं रहे। आपके द्वारा दिए गए अमूल्य संस्कार, शिक्षा और मार्गदर्शन सदैव समाज को दिशा देते रहेंगे। आपकी अनुपम छवि, सरलता और कार्यनिष्ठा हमेशा हमारे हृदयों में जीवित रहेगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

– रंजीत टाइम्स परिवार

पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी हुऐ वरिष्ठ दिव्यांगजन जाँच शिविर में शामिल

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) पिछोर जनपद पंचायत कार्यालय में 25 सितंबर गुरुवार को भारत सरकार की योजना राष्ट्रीय व्योश्री योजना के अंतर्गत पिछोर क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह लोधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर एलिमको की जांच परीक्षण टीम के द्वारा पिछोर तथा खनियाधाना के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र के संयुक्त वरिष्ठजनों का सहायक उपकरण बैसाखी,छड़ी, कान की मशीन, व्हीलचेयर और अन्य महत्वपूर्ण उपकरण के लिए चिन्हाकित किया गया, जिसमें परीक्षण के दौरान 150 वृद्धजनों का पंजीयन हुआ, जिसमे इन सभी के सहायक उपकरण का वितरण आगामी शासन की निर्धारित तिथि के अनुसार किया जाएगा विधायक द्वारा उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी रूप में हर सुविधा उपलब्ध करा रही है, आज ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसके लिए शासन कुछ ना कुछ लाभ न दे रही हो,उन्होंने कहा है कि पिछोर क्षेत्र मैं अभी 2 साल भी नहीं हुए है ओर मैने जो काम किये है वह सब आप लोगों के सामने हैं,और आगे 5 साल तक में पिछोर विधानसभा क्षेत्र में मैं बहुत कुछ विकास करूंगा यह मेरा लक्ष्य है और मेरा सपना भी है,जिसे मे आप लोगों के बीच रहकर के पूरा करूंगा! अंत में उन्होंने अपने हाथों से सभी वरिष्ठजनों के लिए फल फ्रूट के पैकेट वितरण किये! इसके साथ-साथ जनमन आवास प्रेरकों को टोपी एवं टीशर्ट वितरण कर उन्हें सम्मानित किया गया !कार्यक्रम के दौरान पिछोर जनपद पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एनएस नरवरिया तथा खनियाधाना मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोगराज मीणा के द्वारा विधायक का स्वागत किया गया !इस मौके पर पिछड़ावर्ग प्रदेश कार्य समिति के सदस्य अशोक यादव, विधायक प्रतिनिधि गौरव मिश्रा, जगतपाल, इमरत आदिवासी, जनपद उपाध्यक्ष रामरतन लोधी सहित वरिष्ठ दिव्यांगजन एवं अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित थे!

अनहद (हृदय) चक्र पर मां कूष्माण्डा की आराधना से यश व आरोग्य में वृद्धि होती है।

नवरात्रि महोत्सव के चतुर्थ दिवस मां कूष्माण्डा की आराधना की जाती है।कूष्मांडा देवी की आठ भुजाएं हैं, जिनमें कमंडल, धनुष-बाण, कमल पुष्प, शंख, चक्र, गदा और सभी सिद्धियों को देने वाली जपमाला है। मां के पास इन सभी चीजों के अलावा हाथ में अमृत कलश भी है। इनका वाहन सिंह है और इनकी भक्ति से आयु, यश और आरोग्य की वृद्धि होती है। ये अनहद चक्र को नियंत्रित करती हैं। चौथा चक्र अनहद (हृदय चक्र) कहलाता है। इस हृदय चक्र की बारह पंखुड़ियाँ हैं और यह उरोस्थि (स्टनर्म) के पीछे मेरूरज्जु में स्थित है। यह चक्र बारह वर्ष की अवस्था तक रोग प्रतिकारक उत्पन्न करता है। ये रोग प्रतिकारक (antibodies) पूरे शरीर में प्रसारित किये जाते हैं जिससे कि शरीर या मस्तिष्क पर किसी भी प्रकार के आक्रमण की अवस्था में मुकाबला करने के लिये यह तैयार हो सकें। ('सहजयोग' पुस्तक) अतः यह चक्र रोगों से सुरक्षा प्रदान करता है। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अनहद चक्र के अन्तर्जात गुणों का वर्णन इस प्रकार किया है कि,

1. आत्मविश्वास और निडरता - ये देवी की कृपा से होता है इसलिये हमारे यहाँ शक्ति को बहुत बड़ा मानते हैं। जब जगदम्बा चक्र आपके अन्दर जाग्रत हो जाता है तो आपके अन्दर से भय, आशंका सब भाग जाती है, कोई किसी प्रकार का भय नहीं रहता।, आपका व्यक्तित्व अत्यन्त शान्तिमय हो जाता है, क्योंकि आपकी मां आपके साथ होती हैं। यह दृढ़ विश्वास कि वे सदा हमारे साथ हैं, सदा हमारी रक्षा करता है। व्यक्ति को अपने आपमें पूर्ण पूर्णतः आत्म विश्वस्त होना चाहिये, परन्तु अहंकार को आत्मविश्वास नहीं मान लेना चाहिये। आत्मविश्वास पूर्ण विवेक है, पूर्ण धर्म, पूर्ण प्रेम, पूर्ण सौन्दर्य और पूर्ण परमात्मा है। इसे यही होना चाहिये।

2. प्रेम भाव - हृदय चक्र जाग्रत होते ही यह प्रेम बहने लगता है। मानव को परमात्मा के दिये उपहारों में से प्रेम सबसे बड़ा उपहार है और व्यक्ति को चाहिये कि प्रयत्न करके इसे विकसित करे। प्रेम में स्वार्थ नहीं होता है, आनन्द होता है और इसी आनन्द की अनुभूति आपने करनी है तथा अन्य लोगों को भी देनी है। प्रेम आदिशक्ति का संदेश है।4. निर्लिप्तता - निर्लिप्तता का अर्थ है कि आपके पास सभी कुछ है फिर भी इससे लिप्त नहीं हैं। क्रोध, वासना, लालच सभी अवगुण दूर हो जाते हैं। तब आनन्द का भी बाहुल्य होगा। भोजन, कपड़े, घर- बच्चों में भी आपकी रूचि होनी चाहिये, पर साथ ही साथ आपको जागरूक होना चाहिये की आप इनसे लिप्त नहीं हो सकते। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार के बाद जब यह चक्र प्रकाशित होता है तो हमारे अन्दर सुरक्षा की भावना जाग्रत हो जाती है। हम निर्भयतापूर्वक ओजस्वी हो जाते हैं। अत्यन्त करुणामय । आपका सरोकार स्वयं से हटकर अन्य लोगों के प्रति होता है, अन्य लोगों के प्रति आपमें प्रेम उमड़ता है। जो लोग कभी आपके शत्रु थे, वे अच्छे मित्र बन जाते हैं। अतः इस नवरात्रि अनहद चक्र के संतुलन को स्थापित करने के लिए कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर संपर्क करें।

कलयुग में 'धूम्रकेतु' रूप में अवतार लेंगे गणेश जी

मान्यता है कि भगवान विष्णु के कल्कि अवतार लेने के बाद कलयुग का अंत हो जाएगा। इतना ही नहीं, भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान गणेश का भी नए अवतार में जन्म होगा। भगवान गणेश का कलयुग में जो अवतार होगा, उसका नाम 'धूम्रकेतु होगा। वे अपनी सेना के साथ पापियों का नाश करेंगे।

धर्म ग्रंथों के अनुसार, जब-जब संसार में अन्याय और अधर्म फैलने लगा, तब-तब भगवान विष्णु ने नया अवतार लेकर धर्म की पुन- स्थापना की। इनमें से श्रीहरि का 'कल्कि अवतार' अभी होना बाकी है। इसी तरह जब पृथ्वी पर पाप, अत्याचार और अधर्म अपने चरम पर पहुंच जाएंगे, तब भगवान गणेश मनुष्यों को धर्म का मार्ग दिखाने के लिए अवतार लेंगे।

पहले भी अवतार ले चुके हैं भगवान गणेश

पुराणों के अनुसार, जब पृथ्वी पर कलयुग अपने चरम पर होगा और हर तरफ बुराई का साम्राज्य होगा, तब गणपति जी पृथ्वी पर अवतरित होंगे। इससे पहले भी भगवान गणेश कई अवतार ले चुके हैं। वे हर युग में अवतरित हुए हैं और उन्होंने दुष्टों का नाश किया है। सतयुग में वे महोत्कट विनायक के रूप में प्रकट हुए, त्रेतायुग में वे मयूरेश्वर के नाम से जाने गए और द्वापर युग में वे शिवपुत्र गजानन के नाम से जाने गए।

अन्याय का नाश करने के लिए जन्म लेंगे भगवान गणेश

गणेश पुराण में वर्णन किया गया है कि जब ब्राह्मणों का मन वेदाध्ययन की बजाय अन्य कार्यों में लगने लगेगा। जब वे तप, यज्ञ और शुभ कर्म करना बंद कर देते हैं। जब लोग बारिश न होने के कारण नदी के किनारे खेती करने लगेंगे, तब भगवान गणेश कलयुग में अवतार लेंगे। जब लोग लालच के कारण एक-दूसरे को धोखा देने से नहीं हिचकिचाएंगे।

विद्वान और धार्मिक लोग भी लोभ के कारण धन कमाने के प्रयास में मूर्ख बन जाएंगे। उनके पास जो कुछ भी है वह भी खो जायेगा। जब लोग पराई स्त्रियों पर बुरी नजर रखेंगे और ताकतवर लोग कमजोर को परेशान करेंगे, तब इस धरती से अन्याय का नाश करने के लिए भगवान गणेश का जन्म होगा। जब कलयुग में लोग धर्म का मार्ग छोड़कर अधर्म के मार्ग पर चलने लगेंगे या लोग अपने लालच को पूरा करने के लिए देवताओं की जगह आसुरी शक्तियों की पूजा करने लगेंगे।

ब्राह्मण अपने अच्छे कर्म छोड़कर लालच के कारण अपना पेट भरने लगेंगे। जब वैश्य समाज के लोग मेहनत से धन कमाने की बजाय बुरे आचरण से धन कमाने लगेंगे, स्त्रियां अपने पति की भक्ति छोड़कर पाप का मार्ग अपना लेंगी। लोग अपने माता-पिता और बड़ों का अपमान करने लगेंगे, ऐसे में भगवान गणेश को धरती पर आना होगा और अवतार लेना होगा। कलयुग में भगवान गणेश के अवतार को 'धूम्रकेतु' कहा जाएगा। भगवान गजानन इस अवतार में लोगों को ज्ञान देने और कलयुगी समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए अवतरित होंगे। यह भविष्यवाणी गणेश पुराण में की गई है।

नवरात्रि के 9 दिनों में क्या-क्या खरीदें

क्या आप जानते हैं कि नवरात्रि के पवित्र त्योहार पर ऐसी कौन-कौन-सी चीजें खरीदें जिससे सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाए। अगर नहीं तो आप भी जानिए और अवश्य खरीदें नवरात्रि में इन चीजों को.

- आरोग्य पाना चाहते हैं तो नवरात्रि के प्रथम दिन से लेकर अंतिम दिन तक कभी भी गाय का घी लाकर रखें।
- अपना घर चाहते हैं तो मिट्टी का छोटा सा घर लाकर पूजा स्थल में रखें।
- अगर विदेश यात्रा करना चाहते हैं तो 9 दिनों में कभी भी पताका (ध्वजा या परचम) खरीद कर नौ दिनों तक पूजा करें और नवमी के दिन किसी देवी मंदिर में अर्पित करें।
- आर्थिक कष्टों से मुक्ति के लिए चांदी की कोई भी शुभ सामग्री लाकर देवी को समर्पित करें।
- नौकरी में पदोन्नति चाहते हैं तो 3 नारियल लाकर पहले घर में रखें और नवमी के दिन मंदिर में चढ़ाएं।
- आकर्षण बढ़ाना चाहते हैं तो धूप, सुगंध, अगरबत्ती, रूई या चमकीली सफेद सामग्री खरीदें।
- नवरात्रि के दिन मौली खरीद कर उस पर नौ गांठ लगा कर देवी को समर्पित करें और फिर उसे सदा अपने पास रखने से हर कार्य में सफलता मिलती है।
- अपार धन संपत्ति के लिए इन नौ दिनों में किन्नर से पैसा लेकर तिजोरी या पर्स में रखें।
- सौभाग्य में वृद्धि के लिए समस्त सुहाग श्रृंगार सामग्री (कांच, काजल, कुमकुम, मंगलसूत्र, चूड़ी, कंघी, बिछिया, चुनरी) खरीदें और काली मां को नवमी के दिन चढ़ाएं।

नागकेसर पौधे की पूजा किस विधि से करनी चाहिए

हिंदू धर्म में सभी पेड़-पौधे की पूजा के बारे में विस्तार से बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि पेड़-पौधों में देवता वास करते हैं। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि नागकेसर पौधे की पूजा किस विधि से करनी चाहिए।

हिंदू धर्म में पेड़-पौधों को सदियों से पवित्र माना जाता है और इनकी पूजा की जाती है। पेड़-पौधे पंचतत्वों - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनकी पूजा करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल सकता है। कई पेड़ों को देवी-देवताओं का वास माना जाता है। जैसे पीपल का पेड़ भगवान विष्णु से, तुलसी का पौधा माता लक्ष्मी से और बरगद का पेड़ शिवजी से जुड़ा हुआ है। इनकी पूजा करके हम देवी-देवताओं को प्रसन्न करते हैं। बता दें, नागकेसर पौधे का संबंध भगवान शिव से है। नागकेसर पौधे की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। अब ऐसे में नागकेसर पौधे की पूजा किस विधि से करनी चाहिए और इस पेड़ की पूजा करने का महत्व है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य विस्तार से जानते हैं।

नागकेसर पौधे की पूजा कैसे करें

- नागकेसर पौधे की पूजा करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त सबसे उत्तम माना जाता है।
- नागकेसर पौधे की पूजा करने से पहले स्नान-ध्यान करें और पूजा की तैयारी करें।
- पूजा से पहले नागकेसर के पौधे को साफ पानी से धो लें।
- पौधे को एक साफ स्थान पर रखें और उसे रोली से तिलक लगाएं।
- पौधे के सामने एक दीपक जलाएं।
- धूपबत्ती जलाएं।
- नागकेसर के फूलों को तोड़कर भगवान शिव को अर्पित करें। जल, दूध, शहद और चंदन का लेप लगाएं।
- नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।
- भगवान शिव की आरती करें।
- आखिर में पूजा करने के बाद भगवान के चीलासी का पाठ एक आसन पर बैठकर करें।
- नागकेसर पौधे की पूजा करने का महत्व क्या है
- नागकेसर को भगवान शिव का प्रिय माना जाता है। इसलिए इसकी पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। नागकेसर की पूजा करने से मन शांत होता है। यह व्यक्ति को मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, नागकेसर का पौधा घर में रखने से वास्तु दोष दूर होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। नागकेसर पौधे की पूजा करने से पारिवारिक शांति बनी रहती है। इसके अलावा नागकेसर पौधे की पूजा करने से व्यक्ति की कुंडली में स्थित ग्रहदोष से भी छुटकारा मिल जाता है।

एशिया कप: फाइनल में पहुंचते ही पाकिस्तान के कप्तान सलमान देखने लगे ख्वाब

भारत को हराने का जताया भरोसा

दुबई , एजेंसी। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में भारत से होगा। यह मैच 28 सितंबर यानी रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर ही खेला जाएगा। बांग्लादेश को सुपर चार चरण के मैच में हराकर एशिया कप के फाइनल में जगह बनाने वाली पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान आगा ने भरोसा जताया है कि उनकी टीम रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में भारत को हरा देगी। सलमान फाइनल में पहुंचते ही ख्वाब देखने लगे हैं, लेकिन वह शायद भूल गए हैं कि यह वही भारतीय टीम है जिसने एशिया कप में उसे दो बार करारी शिकस्त दी है।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में भारत से होगा। यह मैच 28 सितंबर यानी रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर ही खेला जाएगा। गुरुवार को खेले गए सुपर-4 मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 135 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट पर 124 रन ही बना पाई।

41 साल में खिताबी मैच में पहली बार आमने-सामने भारत-पाकिस्तान: एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। 2016 में पहली बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला

गया। भारतीय टीम सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली टीम है। भारत ने अब तक आठ बार एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की है। वहीं, पाकिस्तान ने सिर्फ दो बार खिताब अपने नाम किया, जबकि श्रीलंका ने छह बार एशिया कप की ट्रॉफी उठाई है। दिलचस्प बात यह है कि एशिया कप के 41 साल के इतिहास में कभी भी भारत-पाकिस्तान का फाइनल में आमना-सामना नहीं हुआ था। अब इतिहास पलटने जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को ऐतिहासिक फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने मौजूदा संस्करण में पाकिस्तान को दो बार पटखनी दी है और फिलहाल टीम इस टूर्नामेंट में अजेय है। ऐसे में पाकिस्तान के लिए खिताब की जंग आसान नहीं होने वाली है। आगा ने कहा, शाहीन एक खास खिलाड़ी हैं। वह वही करते हैं जो टीम को उनसे चाहिए। उनके लिए बहुत खुश हूं। हम 15 रन पीछे रह गए। जिस तरह से हमने शुरुआत में गेंदबाजी की उससे हमने दबाव बनाया। हमने नई गेंद से अच्छी गेंदबाजी की। अगर आप इस तरह गेंदबाजी करते हैं तो अक्सर आप मैच जीत जाते हैं। हमारी फील्डिंग अच्छी रही है। शेन हम पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम अतिरिक्त सत्र भी ले रहे हैं। माइक हेसन ने कहा था कि अगर आप फील्डिंग नहीं कर सकते तो आप टीम में नहीं होंगे।

भारत के खिलाफ वापसी का भरोसा जताया

मैच के बाद आगा ने कहा, अगर आप इस तरह के मैच जीतते हैं, तो हम एक खास टीम जरूर बन जाते हैं। सभी ने बहुत अच्छा खेला। बल्लेबाजी में कुछ सुधार की जरूरत है। लेकिन हम इस पर काम करेंगे। हम किसी को भी हराने के लिए काफी अच्छी टीम हैं। हम रविवार को वापसी करेंगे और ऐसा (जीत हासिल) करने की कोशिश करेंगे।सलमान ने अपने गेंदबाजों की सराहना की जिन्होंने पहली ही गेंद से बांग्लादेश के बल्लेबाजों को दबाव में बनाए रखा।

ICC की सूर्या को हिदायत

पॉलिटिकल स्टेटमेंट न दें...उन्होंने जीत पहलगाम पीड़ितों और सेना को समर्पित की थी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने गुरुवार को सलाह दी कि वे ऐसी कोई टिप्पणी न करें जो राजनीतिक मानी जा सके। यह सलाह के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने एक आधिकारिक सुनवाई के दौरान दी। यह सुनवाई पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की शिकायत पर हुई, जिसमें सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच के बाद की गई टिप्पणियों में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति समर्थन जताया था। सूर्यकुमार ने इन टिप्पणियों के लिए खुद को दोषी नहीं बताया। सुनवाई में बीसीसीआई के सीओओ और क्रिकेट ऑपरेशंस मैनेजर भी सूर्यकुमार के साथ थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रिचर्डसन ने सूर्यकुमार को समझाया कि उन्हें ऐसी टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए जो राजनीतिक लगें। सजा के बारे में अभी कुछ स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह लेवल-1 का उल्लंघन है, इसलिए सूर्यकुमार को चेतावनी या 15 मैच फीस का जुर्माना हो सकता है।

वहीं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी बुधवार को पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में औपचारिक शिकायत दर्ज की है। मामले की सुनवाई शुक्रवार (26 सितंबर) को होगी, क्योंकि गुरुवार को वे श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप मैच खेल रहे हैं। दरअसल, 21 सितंबर को दुबई में खेले गए एशिया कप सुपर-4 मैच के दौरान दोनों ने भड़काऊ इशारे किए थे। रऊफ ने आसमान से विमान गिराने का इशारा, तो साहिबजादा ने फिफ्टी लगाने पर गन सेलिब्रेशन किया था।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप:

तेज रफ्तार, ऊंची छलांग और जज्बे का तूफान, दिल्ली में दिखेगा पैरालंपियनों का दम

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार 27 सितंबर 2025 से शुरू होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के साथ, राजधानी दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इस क्षेत्र के कुछ सर्वश्रेष्ठ एथलीट प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखाई देंगे। इसमें ब्लेड जम्पर, सीरियल मेडलिस्ट और व्हीलचेयर मैराथन के दिग्गज शामिल हैं। यहां हम ऐसे ही कुछ शीर्ष पैरालंपियनों के बारे में जानेंगे जो अगले कुछ दिनों तक विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना दम-खम दिखाने के लिए तैयार हैं।

अथानासियोस घावेलस (ग्रीस)- 100 मीटर टी-11

टी11 श्रेणी में सबसे तेज धावक, अथानासियोस घावेलस दो बार के पैरालंपिक चैंपियन और 2023 संस्करण के विश्व चैंपियन हैं। साल 2024 के फाइनल से अयोग्य घोषित होने के बाद, वह अपना दूसरा विश्व खिताब जीतने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता में उतरेंगे। 10.82 सेकंड के समय के साथ उनके नाम विश्व रिकॉर्ड है। 100 मीटर टी-11 स्पर्धा में दृष्टिबाधित एथलीट गाइड के साथ दौड़ते हैं।

शियाओयान वेन (चीन) - 100 मीटर टी37, 400 मीटर टी37, लंबी कूद टी37

शियाओयान वेन लगातार पदक विजेता हैं। उन्होंने जिन भी स्पर्धाओं में हिस्सा लिया, उनमें से हर स्पर्धा में ढेरों पदक जीते हैं। उनके नाम नौ पैरालंपिक स्वर्ण पदक हैं, जिनमें से

पांच 2024 पेरिस ओलंपिक में आए हैं। इसमें 100 मीटर टी37, 200 मीटर टी37, लंबी कूद टी37 और 4म100 मीटर यूनिवर्सल रिले में जीते गए गए स्वर्ण पदक शामिल हैं। विश्व चैंपियनशिप में, उन्होंने सात स्वर्ण पदक जीते हैं। वह 100 मीटर टी37 में अपने खिताब का बचाव करेंगी और 400 मीटर टी37 और लंबी कूद टी37 स्पर्धाओं में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी।

कैथरीन डेब्रनर (स्विट्जरलैंड) - 100 मीटर टी53

व्हीलचेयर रेसर कैथरीन डेब्रनर ने 2024 पेरिस पैरालंपिक में पांच स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता था। उनके नाम आठ विश्व चैंपियनशिप पदक हैं, जिनमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं। इनमें से चार पेरिस में आयोजित पिछली विश्व चैंपियनशिप में आए थे। पैरालिंपिक और विश्व चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन के अलावा, डेब्रनर व्हीलचेयर मैराथन सर्किट में एक प्रमुख नाम हैं। उन्होंने बर्लिन और लंदन मैराथन में तीन-तीन बार जीत हासिल की है।

मार्कस रेहम (जर्मनी) - लंबी कूद T64

पैरा एथलेटिक्स और लंबी कूद के प्रशंसकों के बीच मार्कस रेहम एक जाना-माना नाम हैं। 'ब्लेड जम्पर' के नाम से मशहूर 37 वर्षीय डेब्रनर ने अपने 13 साल से ज्यादा के करियर में नौ विश्व खिताब और पांच पैरालिंपिक स्वर्ण पदक जीते हैं। मार्कस रेहम के नाम 8.72 मीटर का विश्व रिकॉर्ड है। वह नई दिल्ली में और भी ऊंचाइयों को छूने का लक्ष्य बना रहे हैं।

पेटुसियो फरेरा (ब्राजील) - 100 मीटर T47

29 वर्षीय यह धावक दुनिया का सबसे तेज पैरालंपिक एथलीट है। 10.29 सेकंड का उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय स्वस्थ धावकों को भी पीछे छोड़ सकता है और अगले सबसे तेज पैरालंपिक एथलीट नॉर्वे के सलुम काशाफाली (ञ्ज12) हैं, जिन्होंने 10.37 सेकंड का समय निकाला है। फरेरा के नाम विश्व चैंपियनशिप में छह स्वर्ण पदक हैं, जिनमें पुरुषों की 100 मीटर ञ्ज47 में चार स्वर्ण पदक शामिल हैं। वह इस स्पर्धा में तीन बार पैरालंपिक चैंपियन रह चुके हैं।

धुआंधार फॉर्म में स्मृति मंधाना... महिला वर्ल्ड कप में 6 बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना इन दिनों जोरदार फॉर्म में हैं. 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला वनडे वर्ल्ड कप में उनका बल्ला चला तो कई कीर्तिमान बन सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई ओडीआई सीरीज में 29 साल की मंधाना ने 3 पारियों में 300 रन (58, 117 और 125) बनाए और साबित किया कि दबाव की परिस्थितियों में भी वह बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती हैं. तीसरे ओडीआई में अरुण जेटली स्टेडियम में उन्होंने 50 गेंदों में शतक जड़ा, जो महिला ओडीआई में भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज और कुल मिलाकर मेग लैनिंग (45 गेंद) के बाद दूसरी सबसे तेज पारी है. यह मुकाबला रिकॉर्ड-ब्रेकिंग साबित हुआ, जिसमें 781 रन बने, महिला ओडीआई का अब तक का सबसे अधिक स्कोर, और 99 चौके और 12 छक्के भी शामिल थे.

मंधाना अब 13 ओडीआई शतक के साथ सूजी बेट्स के बराबर हैं, जबकि मेग लैनिंग 15 शतकों के साथ पहले स्थान पर हैं. 2025 में उन्होंने पहले ही चार शतक जड़ दिए हैं, जो किसी कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड के बराबर है.

वर्ल्ड कप में मंधाना के बड़े लक्ष्य

- 5000 रन- महिला ओडीआई में मंधाना को 5000 रन पूरे करने के लिए केवल 112 रन चाहिए. इस सूची में मिताली राज, शार्लोट एडवर्ड्स, सूजी बेट्स और स्टेफनी टेलर शामिल हैं.

- सबसे तेज 5000 रन- मंधाना इस रिकॉर्ड को सबसे तेज बनाने वाली बल्लेबाज बनने के करीब हैं. स्टेफनी टेलर ने इसे 129 पारियों में हासिल किया था.

- ओपनर के रूप में 5000 रन- मंधाना को यह रिकॉर्ड पूरा करने के लिए 137 रन चाहिए. सूज़ी बेट्स ही पहले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने ओपनर के रूप में 5000 रन बनाए.

- कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन- मंधाना को साल में सबसे ज्यादा महिला ओडीआई रन बनाने के लिए 42 रन चाहिए. यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क के नाम है, जिन्होंने 1997 में 16 मैचों में 970 रन बनाए थे.

- कैलेंडर ईयर में 1000 रन- मंधाना को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए 72 रन चाहिए.

- कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा शतक- मंधाना को यह रिकॉर्ड बनाने के लिए सिर्फ एक शतक की जरूरत है. 2024 में उन्होंने पहले ही चार शतक जड़े थे.

स्मृति मंधाना की यह शानदार फॉर्म और उनकी निगाहें महिला क्रिकेट के इतिहास में नाम दर्ज कराने पर हैं. विश्व कप में उनका प्रदर्शन सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे महिला क्रिकेट जगत के लिए रोमांचक होगा.

20 चौके और 5 छक्के लगाए

मयंक अग्रवाल ने यॉर्कशायर के लिए खेली शतकीय पारी

हेडिंग्ले, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (175) ने डरहम के खिलाफ यॉर्कशायर के लिए हेडिंग्ले में एक बेहतरीन शतक लगाया। इस शतक की मदद से उनकी टीम पहली पारी की बढ़त लेने की कगार पर है, ताकि वे रेलिगेशन से बचने की उम्मीद कर सके। यह यॉर्कशायर का इस काउंटी सीजन आखिरी मैच है। धूप भरे लीड्स के मैदान में यह बल्लेबाजों का दिन था, जहां दो खिलाड़ियों ने शतक लगाए।

पहले डरहम के ऑलराउंडर बेन रेन ने अपने पहले दिन के स्कोर नाबाद 87 रनों से आगे खेलना शुरू किया और 101 रन बनाए। यॉर्कशायर के लिए नई गेंद के गेंदबाज जैक व्हाइट ने 69 रन देकर 5 विकेट लिए। अग्रवाल ने अपनी 195 गेंदों की पारी में 20 चौके और 5 छक्के लगाए और सलामी बल्लेबाज एडम लिथ के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 127 रनों की साझेदारी की। लिथ ने अपने 38वें जन्मदिन पर 69 रन की पारी खेली। अच्छे बल्लेबाजी हालात होने के बावजूद लिथ और अग्रवाल को सतक रहकर खेलना पड़ा। वे

सजग रहे, लेकिन रन भी बनाए। लिथ ने ऑफ साइड में बेहतरीन शॉट लगाए और अग्रवाल शुरू से लय में थे। इससे पहले यॉर्कशायर के लिए तीन पारियों में दो शून्य रहे थे। लिथ ने 102 गेंदों में जबकि अग्रवाल ने 84 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। अग्रवाल ने अफग़ान गफ़ारी की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर पचासा पूरा किया। इसके थोड़ी देर बाद गफ़ारी ने लिथ को स्लिप में पॉट्स के हाथों कैच कराया। अग्रवाल ने फिर गफारी पर हमला बोला और चाय से पहले उन पर तीन और छक्के जड़े। इसमें दो छक्के एक ही ओवर में सीधी बाउंड्री पर थे, जबकि उन्होंने एक मिडविकेट के ऊपर से मैक्सिमम हिट मारा।

इंदौर में माँ जिनवाणी (शास्त्र) का भव्य प्रतिष्ठा समारोह

काष्ठ पर लिखी गई पूजन संग्रह शास्त्र "जिनवाणी" का होगा लोकार्पण एवं प्रतिष्ठा समारोह

इंदौरः- इंदौर से विपिन जैन द्वारा दी गई जानकारी अनुसार...यहाँ दिगंबर जैन समाज द्वारा परिवहन नगर में चतुर्मास पर वास कर रहे...परम पूज्य अंतर्मुखी मुनिश्री 108. पूज्य सागरजी महाराज के सानिध्य में.. "काष्ठ पर रचना की गई माँ जीनवाणी का लोकार्पण एवं प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य कार्यक्रम दिनांक 28.09.25 रविवार को प्रातः 7:00 से दोप.1:00 बजे तक अभय खेल प्रशाल रेस्कॉर्स रोड़ में होगा माना जाता है 2000 वर्ष पहले तक काष्ठ पर शास्त्र लिखे जाते थे, अतः समाज द्वारा यह अनोखा एवं एतिहासिक प्रयोग किया जा रहा है, इस कर्यक्रम को भव्यता प्रदान करने हेतु लगभग 20..25 हजार से अधिक अनुयायी के उपस्थित रहने की संभावना है उस अनुसार सारी व्यवस्था भी की गई है संपूर्ण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पारस चैनल पर भी दिखाया जावेगा।

हिंदू जागरण मंच द्वारका जिला की कार्रवाई

बड़े गणपति मंदिर के सामने विधर्मी की दुकान पर हंगामा

राजेश धाकड़

इंदौर। बड़े गणपति मंदिर के सामने स्थित मंगल श्री पूजन सामग्री की दुकान और उसके पास बनी एक बिना बोर्ड की दुकान को लेकर विवाद खड़ा हो गया। जानकारी के अनुसार, मंगल श्री दुकान का संचालन असलम खान करता है, जबकि पास वाली बिना बोर्ड की दुकान इरफान खान की बताई जा रही है। मंगल श्री दुकान मूल रूप से हरि भैया की बताई जाती है, जो पिलिया खाल पेट्रोल पंप के पास किराना दुकान चलाते हैं। हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इन दुकानों पर महिलाओं से अनुचित व्यवहार किया जाता है और यहां थूक जिहाद जैसी गतिविधियों की आशंका रहती है। इसके अलावा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि दुकानों में मंडी से बचे-खुचे फूलों की माला बनाकर भगवान गजानन महाराज को चढ़ाई जाती है।

हाल ही में अशोकनगर निवासी ज्योति देखडे ने मंच से शिकायत की थी कि दुकानों पर नाम-पहचान स्पष्ट नहीं है। न बोर्ड है, न दुकान संचालक अपना परिचय बताते हैं। केवल क्यूआर कोड से भुगतान करने पर संचालकों के नाम का पता चलता है। शिकायत के बाद आज हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता दुकान पर पहुंचे और कड़ा विरोध दर्ज कराया। मकान मालिक से भी कहासुनी हुई। हंगामे के बाद दोनों दुकानें बंद करा दी गईं। मंच ने मकान मालिक को स्पष्ट चेतावनी दी कि आगे से दुकानें नहीं खुलनी चाहिए।

घटना की सूचना पर मल्हारगंज थाने से पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा। इस दौरान हिंदू जागरण मंच की ओर से मोना व्यास, उज्जवल कौशल, रवि जावड़े, विजय द्विवेदी, विनय व्यास, मनोज कौशल, देवी सिंह ठाकुर, अमन शुक्ला, अमित पाल, अमित जैन सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

नई दिल्ली में बाग प्रिंट बना आकर्षण का केन्द्र

दिल्ली । क्राफ्ट्स काउंसिल द्वारा नई दिल्ली में प्रतिष्ठित 'साड़ीज़ ऑफ़ इंडिया' प्रदर्शनी में कला और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिला। इस भव्य प्रदर्शनी में देशभर के चुनिंदा और श्रेष्ठ शिल्पकारों को आमंत्रित किया गया है, जहाँ भारत की विविधता और समृद्ध हस्तकला परंपरा को एक ही छत के नीचे देखने का अवसर मिल रहा है। मध्यप्रदेश का बाग प्रिंट आयोजन का विशेष आकर्षण बना हुआ है। प्रदर्शनी 27 सितम्बर तक चलेगी। प्रदर्शनी के दूसरे दिन बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री और सांसद सुश्री कंगना रनौत ने मध्यप्रदेश के बाग प्रिंट शिल्पकार श्री मोहम्मद आरिफ खत्री की कलाकृतियों की जमकर तारीफ़ की और विस्तार से बाग प्रिंट की तकनीक और प्राकृतिक रंगों के महत्व पर बातचीत की। श्री खत्री ने सुश्री रनौत को मध्यप्रदेश बाग प्रिंट कला के उद्गम स्थल बाग गांव आने का आमंत्रिण दिया। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ियाँ इस धरोहर को संभालती आई हैं और आज भी यह गाँव कला की जीवंत पाठशाला है। प्रदर्शनी में उपस्थित जानी-मानी क्राफ्ट रिवाइवलिस्ट मंजीरी नेरोला, कामियानी जलन और दिल्ली क्राफ्ट्स काउंसिल की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा राय ने भी बाग प्रिंट साड़ियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिकता का बाग प्रिंट सुंदर संगम हैं।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शनिवार 27 सितम्बर 2025

सीता पर संवाद

नवरात्र पर जनक सीता जानकी की आई याद

"स्त्री प्रणेता जनक नंदनी सीता" संगोष्ठी का दिल्ली के मालवीय भवन में हुआ आयोजन

जनक सुता जग जननी जानकी
अतिशय प्रिय करुणा निधान की
जाके जुग पद कमल मनाऊँ
तासु कृपा निर्मल मति पाऊँ

नई दिल्ली। गुरुवार को सीता चरितार्थ पर चर्चा एवं संगोष्ठी का आयोजन हुआ । यह कार्यक्रम जानकी रिसर्च काउंसिल द्वारा दिल्ली के मालवीय भवन में काशी के जाने माने संत जिन्होंने गंगा बचाओ आंदोलन के तहत नमामी गंगे की लड़ाई लड़ने वाले और संत समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर रहे और भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री एस .पी. सिंह बघेल ने उस कार्यक्रम के विशेष अतिथि के तौर ओर शिरकत की । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मशहूर कथावाचक साध्वी समाहित देवी और विश्व मांगल्या सभा की अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री पूजा जी देशमुख रही । "स्त्री प्रणेता जनक नंदनी सीता " नाम से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आज के युग में त्रेता युग सीता की समाज और परिवार कितनी जरूरत है इस पर आधारित था। आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना की स्वरूप माता जानकी के हर पहलू पर समर्पित इस संगोष्ठी "परिवार से समाज और फिर राष्ट्र निर्माण में सीता स्वरूपा स्त्री भूमिका की कितनी जरूरत है इसको लेकर था ।

दोपहर 4 बजे दीप प्रजापालन और सिया-वर रामचंद्र की जयघोषों के साथ शुरू हुई और शिवानी तिवारी द्वारा देव-वंदना की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ हुआ । कार्यक्रम में संत समिति के धर्म विभाग के अखिल भारतीय अध्यक्ष आचार्य शुभेष श्रमण ने विषय प्रस्तुति दी और विश्व मांगल्य सभा की सह संगठन मंत्री पूजा जी देशमुख ने अपने उद्बोधन में सीता के व्यक्तित्व और उपलब्धियों की समकालीन प्रासंगिकता को रेखांकित किया । वहीं मुख्य वक्ता साध्वी समाहिता ने स्त्री चेतना में वीरांगना रूपी निर्भीक ,संस्कारित समर , परिवार और राष्ट्र की संग्राहक सीता को समाहित करने की बात कही । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर ने इस भागती दौड़ती आधुनिक युग में संघ शताब्दी वर्ष में आरएसएस के पंच परिवर्तन केंद्रित विषय में से एक परिवार प्रबोधन पर केंद्रित अपने उद्बोधन में परिवार के आदर्शों में माता सीता के मूल्यों को समाहित करने की बात कही । उन्होंने भारत के बच्चों में भारतीयता को बचाए रखने के लिए रोजमर्रा की ज़िंदगी में क्षेत्रीय भाषाओं खास कर हिन्दी भाषा को बचाए रखने पर बाल दिया । उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को भारतीय संस्कृति संस्कारों की शिक्षा देना अत्यंत अवश्य हो गया है । परिवार में रामायण और वैदिक ग्रंथो का अध्ययन करवाना से ही बच्चों को संस्कारित किया जा सकता है । आगामी पीढ़ी को संस्कारित करने के लिए सबको प्रयास करना चाहिए । एक कहानी बताते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा सपने

अपनी भाषा में देखता गई इसलिए अगर आप परिवार में बोलचाल की भाषा अंग्रेजी रखेंगे तो बच्चों के भविष्य का सपना कहीं ना कहीं दिशाहीन हो जाएगा और द्वंद में जिएगा । बच्चा वो अपने सपनों को यथार्थ में लाने में मुश्किलों का सामना कर सकता है । सीता से संयमित संवाद और अनुशासन सीखने की जरूरत है । विशेष अतिथि केंद्रीय मंत्री एस.पी. सिंह बघेल सीता से शक्ति तक और स्त्री सम्मान और राष्ट्र निर्माण पर केंद्रित विषय पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम स्वागत योग्य है । शायद ये पहला मौका है जब मैं माता सीता पर इस तरह की संगोष्ठी में शामिल हो रहा हूँ । समाज में भारतीयता बचाए रखने और युवा वर्ग को देशवासी बनने केव्यदेश्य से इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए । माता जनक नंदनी जानकी के जीवन दर्शन पर आयोजित इस संगोष्ठी में जहाँ माँ जानकी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई वहीं सभी वक्ताओं ने भारतीय परिवार , समाज और संस्कृति में पाश्चात्य सभ्यता का युवाओं पर बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताई और इसके दूरगामी परिणाम को भारत और भारत की संस्कृति के लिए घातक माना ।

राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वैदिक काल से ही भारत की स्त्रियां वैचारिक रूप से कितनी स्वतंत्र थीं इसको हम माता सीता के चरित्र में साफ़ देश सकते हैं । हमें ऐसा लगता कि रामायण राम केंद्रित है लेकिन वस्तव आमरण की पूरी गाथा सीता केंद्रित है । जिसमें राम अगर शरीर है तो सीता आत्मा और अगर आत्मा निकल जाए तो शरीर का कोई मूल्य नहीं रह जाता है । पश्चिम में स्त्रियों को अभी हाल में वोटिंग राइट मिले हैं । मगर भारत की स्त्रियां वैदिक काल से ही हर निर्णय में शामिल रही गईं । इस बदलते परिवेश में हमें आज की अपनी सीताओं को बचाना अगर अभी हम सचेत नहीं होंगे तो आने वाले समय कालनेमि ना जाने कितने रावण आ खेड़े होंगे ।

स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने एक प्रसंग के माध्यम से बताया बहरुपीयों से सावधान रहना चाहिए। सभी वक्ताओं ने माता जानकी के जीवन दर्शन से आजके सन्दर्भ में सीखने की आवश्यकता पर बल दिया । सामाजिक राजनीतिक धार्मिक सभी पक्षों में सर्तकता की आवश्यकता है माता जानकी ने रावण के भेष रूप बदलने के कारण ही उनका हरन हुआ आज भी समाज को ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए । कार्यक्रम में अखिल भारतीय संत समिति के अलख नाथ बाल योगी जी महाराज , नरेंद्र ठाकुर , सह प्रचार प्रमुख राष्ट्रीय सयंव सेवक संघ , केंद्रीय राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल ,साध्वी समाहितादेवी , संजय गोतम, योगेश अग्रवाल एवं अन्य गण मान्य उपस्थित रहे ।कार्यक्रम की संयोजिका अनीता चौधरी ने मंच संचालन किया ।